No. of Printed Pages : 6

BPYC–102

B. A. (MAJOR PHILOSOPHY)

(BAFPY)

Term-End Examination

June, 2025

BPYC–102 : ETHICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answers to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Discuss Immanuel Kant's 'Deontological Ethics'. Present a critical appraisal of Deontological Ethics. 20

Or

What is moral relativism ? What are the different types of moral relativism ? Explain.

2. What is Natural Moral Law ? Why is natural moral law universally valid ? Discuss. 20

Or

What is ethical naturalism ? Discuss G. E. Moore's criticism of the same.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Discuss the basic assumptions of Utilitarianism. 10

   (b) What is virtue ? Explain the Socratics' dictum, 'Virtue is knowledge'. 10

   (c) Present the arguments of Teleological theory on moral action. 10

   (d) How did emotivism emerge as a meta-ethical theory ? Explain. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Discuss the role of reason in morality. 5

   (b) Write a note on Buddhist views on moral action. 5

(c) Write a note on Plato's cardinal virtues. 5

(d) Explain briefly the ethical teachings of Jain Philosophy. 5

(e) Describe the relation between natural moral law and human dignity. 5

(f) Write a note on Prescriptivism. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Open Question Argument 4

(b) Eudaimonia 4

(c) Christian vices 4

(d) Relation between religion and ethics 4

(e) Hinduism on moral action 4

(f) Ethical Non-Naturalism 4

(g) Intuitionism 4

(h) Error theory 4

BPYC–102

बी. ए. (मुख्य दर्शनशास्त्र)

(बी. ए. एफ. पी. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.पी.वाई.सी.-102 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. इमैनुएल काण्ट के कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र की चर्चा कीजिए। कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

नैतिक सापेक्षतावाद क्या है ? नैतिक सापेक्षतावाद के विभिन्न प्रकार कौन-से हैं ? व्याख्या कीजिए।

2. प्राकृतिक नैतिक नियम क्या है ? प्राकृतिक नैतिक नियम सार्वभौमिक रूप से वैध क्यों है ? चर्चा कीजिए। 20

अथवा

नीतिशास्त्रीय प्रकृतिवाद क्या है ? जी. ई. मूर द्वारा की गयी इसकी आलोचना की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(अ) उपयोगितावाद की मूलभूत मान्यताओं की चर्चा कीजिए। 10

(ब) सद्‌गुण क्या है ? सुकरात के कथन 'सद्‌गुण ज्ञान है' की व्याख्या कीजिए। 10

(स) नैतिक कृत्य पर उद्देश्यपरक सिद्धांत की युक्तियों को प्रस्तुत कीजिए। 10

(द) संवेगवाद एक अधिनीतिशास्त्रीय सिद्धांत की तरह कैसे उभरा ? व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(अ) नैतिकता में तर्क की भूमिका की चर्चा कीजिए। 5

(ब) नैतिक कृत्य पर बौद्ध दर्शन के विचारों पर टिप्पणी लिखिए। 5

(स) प्लेटो के प्रधान सद्‌गुणों पर टिप्पणी लिखिए। 5

(द) जैन दर्शन की नीतिशास्त्रीय शिक्षाओं की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(य) प्राकृतिक नैतिक नियम और मानव गरिमा के मध्य सम्बन्ध का वर्णन कीजिए। 5

(र) परामर्शवाद पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) खुला प्रश्न तर्क (Open Question Argument) 4

(ब) परम सुख (यूडाईमोनिया) 4

(स) ईसाई अवगुण 4

(द) धर्म और नीतिशास्त्र के मध्य सम्बन्ध 4

(य) हिन्दू धर्म के अनुसार नैतिक कृत्य 4

(र) नैतिक गैर–प्रकृतिवाद 4

(ल) अन्त:प्रज्ञावाद 4

(व) त्रुटि सिद्धांत 4

× × × × ×